

प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने का संकल्प

प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भेजी शुभकामना संदेश
प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक ' विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव

आइडियल इंडिया न्यूज
विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता
समाचार संपादक
बिहार, पटना

मुजफ्फरपुर। प्रकृति संरक्षण को जल अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक शहरी को सामूहिक जिम्मेदारी बनाने उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार की संस्था पत्रिका हस्तकृति प्रतियोगिता के दूसरे चरण के अक्सर पर हस्तकृति प्रतियोगिताओं से प्रभासी तक हस्तकृति प्रतियोगिता फेसबुक लाइव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विवरण संरक्षण, जल एवं ऊर्जा, जल, जैव विविधता, पोषण वारिका, जल बचतों में प्रकृति के प्रति सदनशीलता विकसित करने जैसे हस्तकृति विषयों पर सार्थक चर्चा हुआ अक्सर पर भात सरकार के



केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री विरिन्द्राज सिंह ने हाइकुति प्रशरीयूक के दूसरे संस्करण के लिए अपने शुभकामना संदेश में प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हाइकुति प्रशरीयूक महज एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का सशक्त संस्करण है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वैश्विक आवश्यकता बताते हुए जन-जागरूकता के लिए किया जा रहे प्रयत्न

प्रवास को महत्वपूर्ण बताया है। वीरेंद्र मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि हलफ़्कृति प्रहरीरहू अपने सकारात्मक एवं जनहितकारी प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, जल संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास के प्रति समाज में गहरे चेतना पैदा करेगा। उन्होंने संदेश दिया कि हलफ़्कृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है। हलफ़्कृति को उन्होंने पत्रिका के संपादक मंडल, पाठकों साथियों एवं सभी

साधयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए, प्रकृति संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। श्री महात्मा रामहानी ने बच्चों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने के लिए दैनिक जीवन के छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बिजली की अनावश्यक खपत रोकने, पौधापोषण करने और जल की प्रत्येक बूंद के महत्व को समझने के लिए बच्चों एवं विद्यालय समुदाय को प्रेरित किया। वहीं, श्री सुजोता कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका को प्रभावी ढंग से विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका बच्चों को प्रकृति, पोषण और पंचांग के प्राथमिक रूप से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान हस्तकला प्रतियोगिता के संपादन श्री अशोक कुमार ने पवित्र

की विषय-वस्तु, उद्देश्य, स्वरूप और भावो विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ह्यप्रकृति प्रहरीक केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन का सामूहिक प्रयास है। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों और आमजन से इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को विद्यालय, परिवार और समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया कार्यक्रम का संचालन उत्कर्मित मध्य विद्यालय, सेलेमपुर ढाब, कांठी, मुजफ्फरपुर के शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार तथा उत्कर्मित मध्य विद्यालय, औराही की शिक्षिका एवं सह-संपादक सुश्री प्रिया कुमारी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में टीचर्स ऑफ बिहार की तत्कालीनी टीम का महत्वपूर्ण

सहयोग रहा पत्रिका के आकर्षक एवं प्रभावशाली डिजाइन को तैयार करने में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी, प्रोन्नत मध्य विद्यालय ईटहरी, फुल्लीडूमर, बाँका एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वार्ता, छात्रकृति प्रतरीहक के प्रकाशन एवं अभिवान को दिशा देने में श्री शिव कुमार, फाउंडर, टीचर्स ऑफ बिहार; श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन, टैयनकल टीम लीडर, टीचर्स ऑफ बिहार; तथा श्री केशव कुमार, डेवट लीडर, टीचर्स ऑफ बिहार का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। अभिवान को व्यापक सार तक पहुँचाने में टीचर्स ऑफ बिहार की डिजाइनर टीम, कंटेंट टीम तथा विभिन्न जिलों के जिला समन्वयकों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। छात्रकृति प्रतरीहक का संकल्प है— विचारों को प्रसार में और प्रसार को ज

वर्ष-07 - अंक 313
पृष्ठ-12 मूल्य : 03 रुपये

राजधानी
गुवाहाटी, 20 अक्टूबर 2025

REG. NO. UFFHON/2018/79873

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण
मंत्रालय भारत सरकार CIRC (DAMP)
जहाँ जहाँ हम विद्यार्थियों के लिए मन्त्रालय
द्वारा तैयार किए गये हैं

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा



संस्करण से प्रकाशित एवं अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून गांधीवाड़ा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

ईवीएम-टीवीएट की जांच को लेकर 21 जिलों के

3 प्रदेश के वैसिक शिक्षा विभाग ने रविवार, गुणवत्ता और नवाचार

4 पुनर्गठन टाइल मिलर्स एसोसिएशन के पुनः अध्यक्ष बने वृजेश गुप्ता

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा— प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि



'प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।' उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास

ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। श्री महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, श्री सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर श्री शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

जनमत की पुकार

मुख्य संपादक : डा. जयदेव (नवतन्त्र, मधुबनी पत्रकार संघ) मो. 9990476033



2

आस्था और पर्यावरण के बीच संतुलन की गांज

दिल्ली में 5,000 के छर पहुंच ईवी बसों का बेड़ा

2

प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा - केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण पर दी शुभकामनाएं

पटना। पर्यावरण संरक्षण को जन-जन की सामूहिक जिम्मेदारी बनाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा 'प्रकृति प्रहरी' पत्रिका के दूसरे संस्करण पर फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर हुए इस विशेष संवाद में पर्यावरण संरक्षण और विद्यालय-समाज की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रकृति प्रहरी एक सशक्त संकल्प है,, गिरिराज सिंह : कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय वन्य मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामनाएं संदेश भेजा।

उन्होंने कहा कि 'प्रकृति प्रहरी' केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का एक सशक्त संकल्प है। पर्यावरण संरक्षण को वैश्विक आवश्यकता बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।

मंत्री ने विश्वास जताया कि यह पत्रिका अपने निष्पक्ष और जनहितकारी प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास के प्रति समाज में नई चेतना का संचार करेगी।

शिक्षा अधिकारियों ने दिए सुझाव :

फेसबुक लाइव में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी और सीतामढ़ी के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुजीत कुमार दास शामिल हुए।

श्री रहमानी ने कहा कि बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के लिए बिजली बचाना, पौधारोपण और जल संरक्षण जैसे छोटे-छोटे व्यवहारिक प्रयास जरूरी हैं। पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत दैनिक जीवन की आदतों में बदलाव से ही होगी।

वहीं श्री दास ने विद्यालयों में पोषण खाटिका विकसित करने और

डिजिटल उपवास की अवधारणा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ समय तकनीक से दूर रहकर प्रकृति के साथ समय बिताना बच्चों के लिए लाभकारी होगा। 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक अभिषेक कुमार ने कहा कि यह पत्रिका सिर्फ प्रकाशन नहीं, बल्कि जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन का सामूहिक प्रयास है। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों और आमजन से इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन कुमार अभिषेक और प्रिया कुमारी ने किया। आयोजन में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम, डिजाइनर टीम और

जिला समन्वयकों का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में यह संदेश दिया गया कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का काम नहीं है। जल बचाना, पौधे लगाना, ई-वेस्ट का उचित निपटारा और बिजली की बचत जैसे छोटे कदम मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

'प्रकृति प्रहरी' का संकल्प है - विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना रंजेश कुमार, प्रदेश प्रवक्ता एवं मृत्युंजय कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक, टीचर्स ऑफ बिहार ने उक्त जानकारी दी है।

मौर्य ध्वज एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर हिन्दी साप्ताहिक

खबरों का संसार

RNI NO:- BIHHIN/2017/74970

20 अगस्त 2026 (विशेषांक) मुजफ्फरपुर

वर्ष -9 अंक-33

मूल्य- रु. 2/- कुल पृष्ठ-8

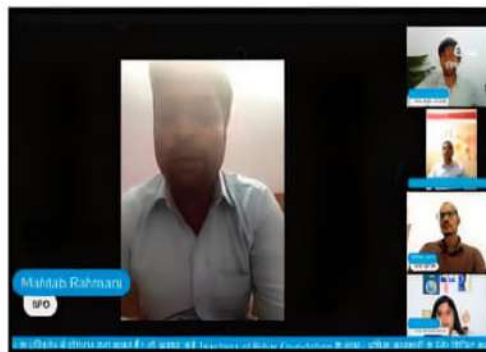
केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने टीचर्स ऑफ बिहार की पत्रिका प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण पर दिया शुभकामना संदेश, कहा-प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव

मौर्य ध्वज एक्सप्रेस, पटना।

प्रकृति संरक्षण को केवल एक अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे जन-जन की सामूहिक जिम्मेदारी बनाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकृति प्रहरी पत्रिका के दूसरे संस्करण के अवसर पर फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक विषय पर आयोजित इस विशेष संवाद में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा विद्यालय और समाज की भूमिका पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम के अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के लिए अपने शुभकामना संदेश में प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति प्रहरी केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का एक

सशक्त संकल्प है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वैश्विक आवश्यकता बताते हुए जन-जागरूकता के प्रत्येक प्रयास को महत्वपूर्ण बताया। अपने संदेश में केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रकृति प्रहरी अपने निष्पक्ष, सकारात्मक एवं जनहितकारी प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, जल संरक्षण, स्वच्छता तथा सतत विकास के प्रति समाज में नई चेतना का संचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है। साथ ही उन्होंने सभी से राष्ट्र निर्माण और प्रकृति संरक्षण के इस अभियान में निरंतर सफलता प्राप्त करने का आह्वान किया तथा प्रकृति प्रहरी के समस्त संपादक मंडल, पत्रकार साधियों एवं सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना श्री महताव रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, बिहार शिक्षा परियोजना, सोतामदौ श्री सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के माध्यम से किए जा रहे पर्यावरण संरक्षण के



प्रयासों पर प्रकाश डाला। श्री महताव रहमानी ने बच्चों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बच्चों एवं विद्यालय समुदाय से बिजली की अनावश्यक खपत रोकने, पौधा रोपण करने तथा जल को प्रत्येक बूंद के महत्व को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत केवल बड़े अभियानों से नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतों में सकारात्मक बदलाव से होती है। वहीं, श्री सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में

पोषण वाटिका को प्रभावी ढंग से विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को प्रकृति, पोषण और पर्यावरण से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने डिजिटल उपवास को अवधारणा के माध्यम से कुछ समय तकनीक से दूरी बनाकर प्रकृति के साथ समय बिताने और प्राकृतिक परिवेश को अनुभव करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रकृति प्रहरी के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका की विषय-वस्तु, उद्देश्य, स्वरूप एवं भावी विस्तार पर विस्तार से प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि प्रकृति प्रहरी केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन का सामूहिक प्रयास है। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आमजन से इस अभियान से जुड़ने तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश को विद्यालय, परिवार और समाज तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन उत्कर्मित मध्य विद्यालय, सलेमपुर डाब, कांटी, मुजफ्फरपुर के शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार तथा उत्कर्मित मध्य विद्यालय, औराही की शिक्षिका एवं सह-संपादक श्री प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग रहा। पत्रिका के आकर्षक एवं प्रभावशाली डिजाइन को तैयार करने में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी, प्रोन्नत मध्य विद्यालय ईटहरी, फुल्लौडुमर, बाँका एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं, प्रकृति प्रहरी के प्रकाशन एवं अभियान को दिशा देने में श्री शिव कुमार, फाउंडर, टीचर्स ऑफ बिहार; श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन,

टेक्निकल टीम लीडर, टीचर्स ऑफ बिहार; एवं श्री केशव कुमार, इवेंट लीडर, टीचर्स ऑफ बिहार का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। प्रकृति प्रहरी अभियान को व्यापक स्तर तक पहुँचाने में डिजाइनर टीम, कंटेंट टीम तथा विभिन्न जिलों के जिला समन्वयकों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई और अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन किया। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति, संस्था या विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जल बचाना, बिजली की अनावश्यक खपत कम करना, पौधे लगाना, ई-वेस्ट का उचित प्रबंधन करना और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना ऐसे छोटे कदम हैं, जो सामूहिक रूप से बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। प्रकृति प्रहरी का संकल्प है- विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक श्री मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी।

हिन्दी दैनिक

JUSTICE

बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रसारित

न्याय पहुंचे आपके द्वार, हम भी हैं भागीदार।

• वर्ष : 2 • अंक : 187 • बिहार, 20 अगस्त 2026 • पृष्ठ : 4 • मूल्य : 02 रुपये R. N.- BR-03-0029059 | M.O.- 98 5231 5231

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा— प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

जरिस्ट न्यूज
विश्वनाथ आनंद

बिहार -प्रदेश (19 अगस्त 2026)- प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक



सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।" उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे।

श्री महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, श्री सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक

■ 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव संवाद आयोजित.

परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक सुश्री प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में

सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर श्री शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक श्री मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 'प्रकृति प्रहरी' का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है। 'प्रकृति प्रहरी' का संकल्प है— विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना।

गोसम



सूर्योदय : 5:43
सूर्यास्त : 6:39
अधिकतम : 32°C
न्यूनतम : 26°C

RNI NO.: UPHIN/2015/67284

वर्ष : 12 अंक : 171

कानपुर, शुक्रवार, 21 अगस्त 2026

पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 ₹00

www.dainikayodhyatimes.com

कानपुर, लखनऊ, पटना एवं दिल्ली से एक साथ प्रकाशित व 16 राज्यों में प्रसारित

दैनिक

DAT

अयोध्या टाइम्स

सच कहने का संकल्प, जनता की आवाज

66

सुविचार

छोटा सा बदलाव ही
ज़िंदगी की
एक बड़ी कामयाबी
का हिस्सा होता है।

गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' को सराहा बोले-प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

दैनिक अयोध्या टाइम्स

मथुरा, पटना (रिपोर्टर)। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रकृति प्रहरी रू विचारों से प्रयासों तक' था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

है।" उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। श्री महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, श्री सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के

माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक सुश्री प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर श्री शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का



मार्गदर्शन सराहनीय रहा। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक श्री मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 'प्रकृति प्रहरी' का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है। 'प्रकृति प्रहरी' का संकल्प है कि विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना।

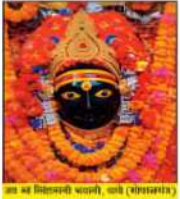
हिन्दी दैनिक अम्बालिका

डिजिटल राष्ट्रीय डेली न्यूज ई-पेपर छपरा (बिहार) एवं सीतापुर (यूपी) से प्रकाशित।

अम्बालिका न्यूज



अम्बालिका न्यूज, अम्बालिका (सीतापुर)



अम्बालिका न्यूज, अम्बालिका (सीतापुर)

छपरा, बुधवार, 20 अगस्त 2025

वर्ष : 2, अंक : 224 पृष्ठ : 4, मूल्य : निःशुल्क

web : www.ambalikaews.com

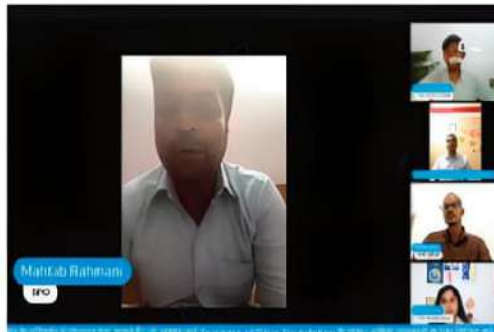
Email : ambalikaews2025@gmail.com

प्रकृति प्रहरी बना पर्यावरण जागरूकता का सशक्त माध्यम, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने की पहल की सराहना

अम्बालिका न्यूज ब्यूरो,

पटना। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने तथा समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रवासों तक विषय पर आयोजित इस संवाद में पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए टीचर्स ऑफ बिहार की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव

जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में किया जा रहा सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए कहा कि प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, सीतामढ़ी सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बिजली की बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण जैसे कार्यों को दैनिक जीवन का हिस्सा



बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की आदत विकसित होने से अनेक वाली पीढ़ियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना और मजबूत होगी। वहीं, सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण पाठिका के विकास को प्रकृति और बच्चों के बीच जुड़ाव स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने डिजिटल

उपवास की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कुछ समय डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के साथ बिताने तथा प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रकृति प्रहरी के संपादक अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रकृति प्रहरी

अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विचारों को व्यवहार में बदलना और जनजागीदारी के माध्यम से प्रकृति संरक्षण के प्रयासों को व्यापक स्वरूप प्रदान करना है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कुमार अभिषेक, संपादक अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक सिद्धांत जी एवं उनकी टीम की विशेष भूमिका रही।

वहीं, अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर जिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रजेश कुमार एवं प्रदेश मोडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि प्रकृति

प्रहरी का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है। यदि विद्यालय, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक और समाज मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करें तो प्रकृति के संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। प्रकृति प्रहरी का संकल्प विचारों को प्रवासों में और प्रवासों को जन-आंदोलन में बदलना है। पत्रिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।



केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा— प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

पटना, सोनभद्र संवाददाता

प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने ह्याप्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा ही मानवता

प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव संवाद आयोजित

की सुरक्षा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया।

फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। श्री महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

वहीं, श्री सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के

विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने डिजिटल उपवास की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रकृति प्रहरी के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक सुश्री प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-

संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर श्री शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक श्री मृत्युंजय कुमार ने बताया कि प्रकृति प्रहरी का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है। प्रकृति प्रहरी का संकल्प है— विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना।

गुरुवार

पटना, 20 अगस्त 2026

पृष्ठ: 12

मूल्य: 2/- रु.

प्रातः संस्करण

आवृत्ति: साप्ताहिक पक्ष 07 वि. 2082

email: sattakikhoj@gmail.com

वर्ष: 43

अंक: 227

अस. ए. आई. संख्या- 39751/84

हिन्दी दैनिक

सत्ता की खोज

जनतंत्र का निष्पक्ष एवं निर्भीक प्रहरी



केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा— प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव संवाद आयोजित

पटना। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ह्रस्वप्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान),

सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। श्री महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों पर जोर



दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, श्री सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान

विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक सुश्री प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर श्री शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक श्री मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 'प्रकृति प्रहरी' का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रातःकिरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

f /Pratahkirana

t /Pratahkirana

i /Pratahkirana

03 हर किसान को सुलभ संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : मंत्री

हमारा प्रधानमंत्री या, बिबे हाई कोर्ट के आदेश से हैलन तुकराम गुंडे, एफवीए पर लगा था 5 लाख ...का

12

वर्ष : 14 | अंक : 131 | पटना, मुल्तान, 20 अगस्त, 2026

चिह्न संख्या 2082

पृष्ठ : 12

मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkirana.com

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा— प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

● प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव संवाद आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का विषय ह्यप्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई है। इस अवसर पर भारत सरकार के केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने ह्यप्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना सन्देश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ह्यप्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को

समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया है। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों पर जोर दिया है। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की है। वहीं, सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया है। उन्होंने डिजिटल उपवास की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का सन्देश दिया है। इस कार्यक्रम में ह्यप्रकृति प्रहरी के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण

संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कुमार अभिषेक, संपादक अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक प्रिया कुमारी द्वारा किया गया है। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा है। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा है। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि ह्यप्रकृति प्रहरी का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है।

बिरसा वाणी

रांची, जगन्नाथपुर और धनबाद से प्रकाशित

सत्य के साथ

दैनिक



रांची, गुरुवार, 20 अगस्त, 2026 (आवर्ण शुक्ल 08 संवत् 2083)

www.birsavani.com

वर्ष : 05, अंक : 134, पृष्ठ : 16, मूल्य : 5 रुपये

‘प्रकृति प्रहरी’ बना पर्यावरण संरक्षण की आवाज, गिरिराज सिंह बोले-प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

बिरसा वाणी संवाददाता

मोतिहारी। पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में टीचर्स ऑफ बिहार की पहल ‘प्रकृति प्रहरी’ का दूसरा संस्करण जारी होने के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव संवाद आयोजित किया गया। ‘प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक’ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने ‘प्रकृति प्रहरी’ के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पत्रिका महज प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा, “प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।” उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक जन-जागरूकता को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए दैनिक जीवन में छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलाव अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की।

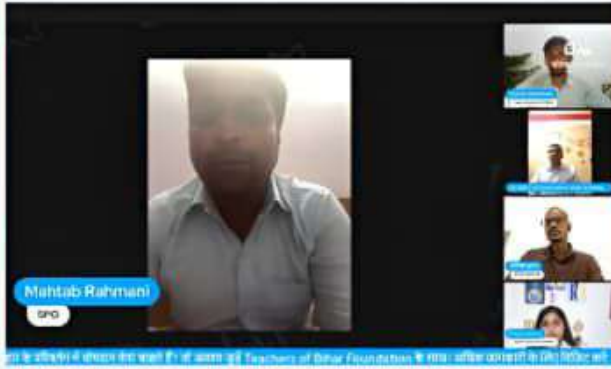


वहीं, सीतामढ़ी के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका को प्रकृति और बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने ‘डिजिटल उपवास’ के जरिए कुछ समय प्राकृतिक परिवेश के साथ बिताने का संदेश दिया। पत्रिका के संपादक अभिषेक कुमार ने इसके उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ‘प्रकृति प्रहरी’ का लक्ष्य विचारों को व्यवहार, प्रयासों को जनभागीदारी और जनभागीदारी को जन-आंदोलन में बदलना है। कार्यक्रम का संचालन कुमार अभिषेक, अभिषेक कुमार और प्रिया कुमारी ने किया। टीचर्स ऑफ बिहार के पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान के माध्यम से जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करने का प्रयास जारी रहेगा।



केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा- प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव संवाद आयोजित



जागता झारखंड संवाददाता पटना। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।" उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम

बताया। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री कुमार अभिषेक, संपादक श्री अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक सुश्री प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर श्री शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक श्री मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 'प्रकृति प्रहरी' का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है। 'प्रकृति प्रहरी' का संकल्प है— विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना।



प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प, 'प्रकृति प्रहरी' का दूसरा संस्करण जारी

मुजफ्फरपुर। टीचर्स ऑफ बिहार की त्रैमासिक पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर फेसबुक लाइव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जल एवं ऊर्जा बचत, जैव विविधता, पोषण वाटिका और बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने पर चर्चा हुई। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने पत्रिका के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि 'प्रकृति प्रहरी' केवल पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।" बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी ने बच्चों को बिजली व पानी की बचत तथा पौधारोपण जैसे दैनिक व्यवहारों से पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने पर जोर दिया। सीतामढ़ी के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका विकसित करने और 'डिजिटल उपवास' के जरिए बच्चों को प्रकृति से जोड़ने की बात कही। पत्रिका के संपादक अभिषेक कुमार ने इसके उद्देश्य और भावी विस्तार की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कुमार अभिषेक, अभिषेक कुमार और प्रिया कुमारी ने किया। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम में जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, पौधारोपण और ई-वेस्ट प्रबंधन को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया गया।

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरीं से समझौता नहीं"



पाना, कर्ष: 7, अंक: 187, गुल्लार: 20 अगस्त 2026 मूल्य: 5-00, पृष्ठ: 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण की सराहना

टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक लाइव में बोले—
प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर बुधवार को 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर विशेष फेसबुक लाइव संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रकृति संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रकृति प्रहरी केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का सार्थक अभियान है। उन्होंने कहा, "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है" तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी ने विद्यालयों में पौधारोपण, जल संरक्षण और ऊर्जा बचत जैसे व्यवहारिक उपाय अपनाने पर जोर दिया। वहीं, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुजीत कुमार दास ने पोषण वाटिका और 'डिजिटल उपवास' के माध्यम से बच्चों को प्रकृति से जोड़ने की बात कही। पत्रिका के संपादक अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रकृति प्रहरी का उद्देश्य पर्यावरणीय विचारों को व्यवहार में बदलते हुए जनभागीदारी को मजबूत करना है। कार्यक्रम का संचालन कुमार अभिषेक, अभिषेक कुमार एवं प्रिया कुमारी ने किया। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि अभियान जल संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।



संक्षिप्त खबर

प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प, 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का शुभकामना संदेश

□ 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव, विद्यालयों में पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने पर जोर

खबरों की तह तक

मुजफ्फरपुर। प्रकृति संरक्षण को केवल अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी बनाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार की त्रैमासिक पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर 'प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक' विषय



पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जल एवं ऊर्जा बचत, जैव विविधता, पोषण वाटिका तथा बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए अपने शुभकामना संदेश में प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'प्रकृति प्रहरी' महज एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का सशक्त संकल्प है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वैश्विक आवश्यकता बताते हुए जन-जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रत्येक प्रयास को महत्वपूर्ण बताया। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि 'प्रकृति प्रहरी' अपने सकारात्मक एवं जनहितकारी प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, जल संरक्षण, स्वच्छता और सतत विकास के प्रति समाज में नई चेतना पैदा करेगा। उन्होंने संदेश दिया कि "प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।" साथ ही उन्होंने पत्रिका के संपादक मंडल, पत्रकार साथियों एवं सभी सहयोगियों को शुभकामनाएँ देते हुए प्रकृति संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री महताब रहमानी तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, बिहार शिक्षा परियोजना, सीतामढ़ी श्री सुजीत कुमार दास ने 'प्रकृति प्रहरी' अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। महताब रहमानी ने बच्चों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने के लिए दैनिक जीवन के छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बिजली की अनावश्यक खपत रोकने, पौधारोपण करने और जल की प्रत्येक बूंद के महत्व को समझने के लिए बच्चों एवं विद्यालय समुदाय को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत केवल बड़े अभियानों से नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की आदतों में सकारात्मक बदलाव से होती है। वहीं, सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका को प्रभावी ढंग से विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका बच्चों को प्रकृति, पोषण और पर्यावरण से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय तकनीक से दूरी बनाकर प्रकृति के साथ समय बिताने तथा प्राकृतिक परिवेश को अनुभव करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक अभिषेक कुमार ने पत्रिका की विषय-वस्तु, उद्देश्य, स्वरूप और भावी विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'प्रकृति प्रहरी' केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन का सामूहिक प्रयास है। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों और आमजन से इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को विद्यालय, परिवार और समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन उत्कर्मित मध्य विद्यालय, सलेमपुर ढाब, कांटी, मुजफ्फरपुर के शिक्षक कुमार अभिषेक, संपादक अभिषेक कुमार तथा उत्कर्मित मध्य विद्यालय, औराही की शिक्षिका एवं सह-संपादक प्रिया कुमारी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। पत्रिका के आकर्षक एवं प्रभावशाली डिजाइन को तैयार करने में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी, प्रोन्नत मध्य विद्यालय ईटहरी, फुल्लीडुमर, बाँका एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं, 'प्रकृति प्रहरी' के प्रकाशन एवं अभियान को दिशा देने में शिव कुमार, फाउंडर, टीचर्स ऑफ बिहार; श्री शिवेंद्र प्रकाश सुमन, टेक्निकल टीम लीडर, टीचर्स ऑफ बिहार तथा केशव कुमार, इवेंट लीडर, टीचर्स ऑफ बिहार का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। अभियान को व्यापक स्तर तक पहुंचाने में टीचर्स ऑफ बिहार की डिजाइनर टीम, कंटेंट टीम तथा विभिन्न जिलों के जिला समन्वयकों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश मजबूती से सामने आया कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति, संस्था या विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत, पौधारोपण, ई-वेस्ट का उचित प्रबंधन और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार जैसे छोटे-छोटे कदम सामूहिक रूप से बड़े बदलाव की आधारशिला बन सकते हैं। 'प्रकृति प्रहरी' का संकल्प है, विचारों को प्रयासों में और प्रयासों को जन-आंदोलन में बदलना। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी।



हिन्दी दैनिक

राष्ट्र की परम्परा

कृ. १०

अंक २०१७

मूल मुद्रण २४ अक्टूबर, २०२४

पृष्ठ ५

मुद्रण ४,००० प्रति



केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा



पटना(राष्ट्र की परम्परा) प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'प्रकृति प्रहरी' के विचारों से प्रयासों तक' था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई।

इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने 'प्रकृति प्रहरी' के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि 'प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है।' उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए ज-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा

अभियान), सीतामढ़ी सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यावहारिक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, सुजीत कुमार

दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने 'डिजिटल उपवास' की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया। कार्यक्रम में 'प्रकृति प्रहरी' के संपादक अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनमागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कुमार अभिषेक, संपादक अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक प्रिया कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक सिद्धांत एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इंपैक्ट लीडर केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 'प्रकृति प्रहरी' का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है।